

3.1.19

बार-बार आवाज दिलावापे जाने के बावजूद
भी ना तो अपीलानाट एवं ना ही वकील
अपीलानाट दोजिर अदागत आवे। राजकीय
अधिक उपलब्ध अतः पञ्जाबली अदम दोजरी,
अदम पैरवी में खारिज हो जाती है। पञ्जाब
फैसल शुमार की जाकर बम्बर से क्रम
ही आवे, बाद आब्ला दखिल रहतर हो

५७